13 अव्यय या अविकारी शब्द

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- अव्यय शब्दों को जानना, समझाना।
- अव्यय शब्दों को व्याकरणिक महत्व समझाना।
- अव्यय शब्दों के भेदों/उपभेदों को समझाना।
- अव्यय शब्दों के प्रयोग को समझाना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- 'अ + व्यय' का क्या अर्थ है?
- क्या कोई वाक्य अव्यय शब्द से प्रारंभ हो सकता है?
- अव्यय शब्दों को दूसरे किस नाम से जाना जाता है?
- क्या अव्यय शब्द संज्ञा, सर्वनाम के परिवर्तन के साथ परिवर्तित होते हैं?

प्रमुख बिंदु

- प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
    - वाक्य में प्रयुक्त वे शब्द जिनका रूप नहीं बदलता, किसी भी प्रकार का विकार नहीं आता, ऐसे शब्द अविकारी शब्द या अव्यय कहलाते हैं।
    - अव्यय के मुख्य पाँच भेद हैं–

      (क) क्रियाविशेषण (ख) संबंधबोधक (ग) समुच्चयबोधक

      (घ) विस्मयादिबोधक (ङ) निपात।
    - क्रियाविशेषण के चार उपभेद हैं–

      (क) स्थानवाचक (ख) कालवाचक (ग) रीतिवाचक (घ) परिमाणवाचक।
    - संबंधबोधक, समुच्चयबोधक व विस्मयादिबोधक के भी उपभेद हैं।
    - विस्मयादिबोधक अव्ययों के प्रयोग के साथ विस्मयादिबोधक चिह्न (!) अनिवार्य है।
    - विस्मयादिबोधक अव्यय मुख्यत: भावों को व्यक्त करते हैं।
    - निपात शब्द वाक्य में किसी पद को विशेष बल प्रदान करने के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।